## मार्गदर्शिका भाग-2

# आकलन एवं उपचारात्मक शिक्षण

("इतना तो मेरे बच्चे कर ही सकते हैं...")

हमारा उद्देश्य सभी बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित कर उन्हें एक निश्चित शैक्षिक स्तर तक पहँुचाना है। कोविड-19 की तमाम चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए राज्य शासन संकल्पित है, कि कक्षा 1-8 तक के शत्-प्रतिशत बच्चों को भाषा और गणित विषयों की बुनियादी दक्षताएँ अनिवार्य रूप से आ ही जाएँ। चूंकि ये दक्षताएँ प्रारंभिक और सरल हैं अतः कार्यक्रम का नाम दिया गया **"इतना तो मेरे बच्चे कर ही सकते हैं...। "**

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आपके कार्यों को सरल और सुगम बनाने हेतु यह मार्गदर्शिका भाग-2 भेजी जा रही है। तद्नुसार निम्नांकित बिन्दुओं को अच्छी तरह पढ़कर/समझकर अभियान को बेहतर व सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

❖ इस कार्यक्रम के अंतर्गत हमने कक्षा 1-8 तक के सभी बच्चों को 3 स्तरों में रखा है -

- स्तर 1 - कक्षा 1-2
- स्तर 2 - कक्षा 3 से 5
- स्तर 3 - कक्षा 6 से 8

❖ चूंकि इस कार्य को 100 दिनों में पूरा करने का संकल्प है, अतः आप सभी के कार्यों को सुगम बनाने हेतु, आकलन पर राज्य स्तरीय एवं संभाग स्तरीय वेबिनार आयोजित किए गए थे। इन वेबिनार के पश्चात आप सभी के सकारात्मक प्रयासों से बच्चों की हिन्दी और गणित विषयों की निर्धारित दक्षताओं एवं उपदक्षताओं अनुसार शिक्षण कर आकलन रिपोर्ट तैयार की गई है।

❖ राज्य के द्वारा '**पढ़ई तुँहर दुआर**' पोर्टल में ही बच्चों की आकलन रिपोर्ट तैयार करने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था की गई है।

❖ आपने दिसम्बर माह में यह ज्ञात कर लिया है कि आपके किस बच्चे ने कौन-सी दक्षता/उपदक्षता को हासिल कर लिया है तथा किस दक्षता अथवा उपदक्षता में बच्चे को कठिनाई है।

❖ जिन बच्चों ने किसी दक्षता उपदक्षता को प्राप्त नहीं किया है, उनका उपचारात्मक शिक्षण करना होगा। उपचारात्मक शिक्षण के लिए एस.सी.ई.आर.टी छ.ग. द्वारा cgschool.in में ऑन लाइन उपचारात्मक शिक्षण की निम्नानुसार व्यवस्था की है-

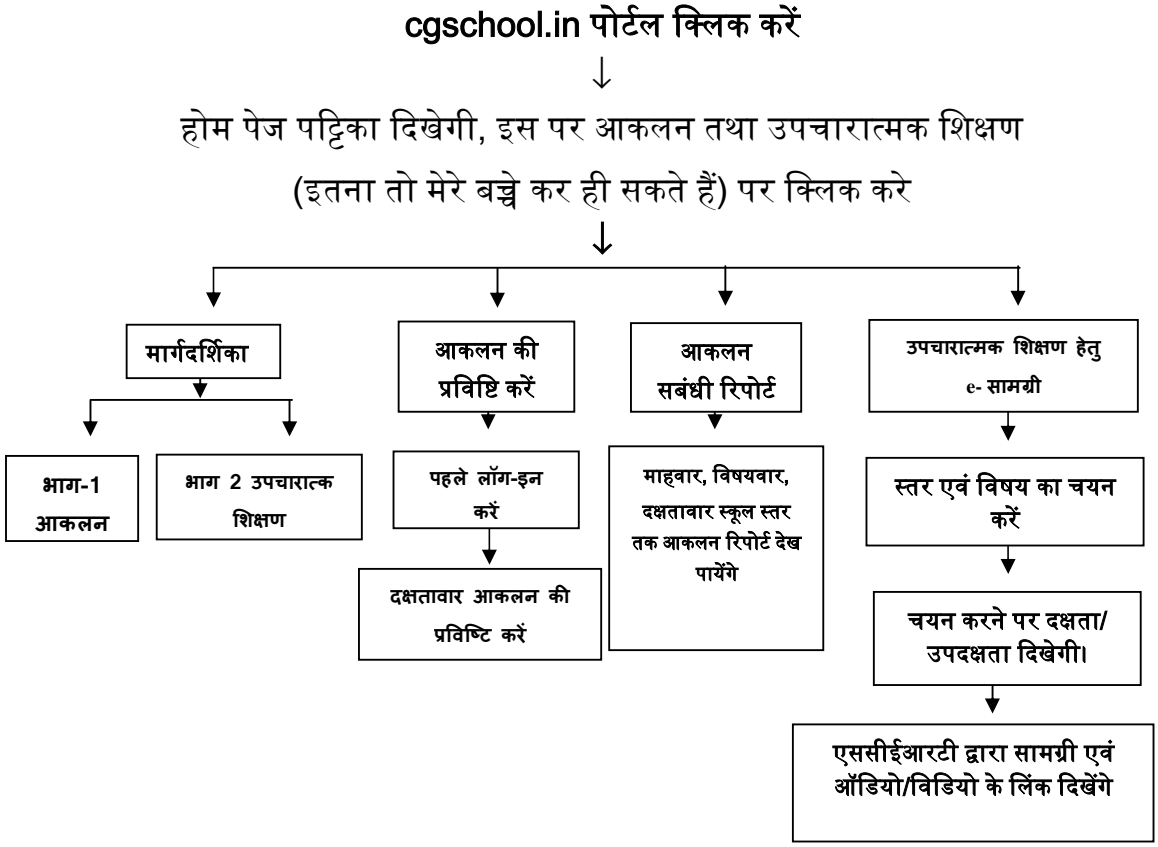


❖ इसके साथ ही आप स्वयं के द्वारा निर्मित/विकसित सामग्री एवं गतिविधियों के साथ-साथ पाठ्य पुस्तक की गतिविधियों का भी उपयोग कर सकते हैं।

❖ प्रत्येक माह प्रत्येक बच्चे का आकलन करना है, यदि बच्चे ने पूर्व में इन दक्षताओं को प्राप्त कर भी लिया है तो भी उसका आकलन करें एवं उसकी उपलब्धि पर बच्चे को शाबासी देकर उसे आगे के शिक्षण के लिए प्रोत्साहित करें।

❖ जैसा कि आप जानते हैं, कक्षा 1-8 तक के बच्चों के लिए हिन्दी व गणित विषयों में 3 स्तर बनाए गए हैं। प्रत्येक स्तर के लिए हिन्दी विषय में 3 और गणित विषय में 7 दक्षताएँ निर्धारित की गई है। इस तरह कुल 10 दक्षताएँ हैं।

❖ हिन्दी और गणित विषयों की बुनियादी 10 दक्षताओं की 4-4 उपदक्षताएँ है अर्थात् कुल 40 उपदक्षताएँ हैं।

- सीखना-सिखाना एक सतत् प्रक्रिया है, जिससे शिक्षक और बच्चों के बीच निरन्तर वार्तालाप, गतिविधियाँ एवं अन्य क्रियाकलाप चलते रहते हैं। आकलन भी इसका अभिन्न अंग है। सीखने-सिखाने की यह प्रक्रिया कक्षा में निर्बाध रूप से चलते रहने के लिए यह जानना आवश्यक है कि किसी विषय में बच्चे की कठिनाई किस तरह की है, कठिनाई का कारण क्या है और इसका निराकरण किस तरह हो सकता है। इसके लिए सभी शिक्षकों को बच्चों का उपदक्षतावार आकलन का पंजी में दर्ज करना होगा। यह पंजी बच्चों के उपचारात्मक शिक्षण के साथ-साथ बच्चों के शैक्षिक प्रगति जानने के लिए अत्यन्त मद्दगार साबित होगी।

- दिसम्बर माह में आकलन पश्चात फील्ड से प्राप्त फीडबैक के अनुसार शिक्षक साथियों को हिन्दी और गणित की सम्मिलित रूप से 40 उपदक्षताओं की ऑनलाइन एंट्री करने में अत्यंत कठिनाई हुई है। इस कठिनाई को ध्यान में रखते हुए अब जनवरी माह से मात्र 10 बुनियादी दक्षताओं पर ही आकलन की ऑनलाइन प्रविष्टि करनी है। यद्यपि आकलन पूर्ववत उपदक्षतावार ही करना है एवं पंजी में रिकार्ड संधारण भी उपदक्षतावार करना है केवल आपकी कठिनाई को ध्यान में रखकर पोर्टल पर आकलन की एन्ट्री दक्षतावार करनी है।

——00——